

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 580वीं बैठक दिनांक 23/06/2022 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. प्रो. (डॉ.) रुबीना चौधरी, सदस्य ।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य ।
5. प्रो. (डॉ.) आलोक मित्तल, सदस्य ।
6. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
7. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
8. श्री ए.ए. मिश्रा, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. Case No 7505/2020 M/s Ram Janki Granite, Village - Didwara, Dist. Chhatarpur, MP Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.20 ha. (19637 cum per annum) (Khasra No. 1593/1, 1594/1), Village - Didwara, Tehsil - Lavkushnagar, Dist. Chhatarpur (MP) (In-Situ Enviro Care, Bhopal)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site at (Khasra No. 1593/1, 1594/1), Village - Didwara, Tehsil - Lavkushnagar, Dist. Chhatarpur (MP) 1.20 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 459वीं दिनांक 23/09/2020 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है ।

प्रकरण आज दिनांक 23/06/22 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार ऑन लाईन/ऑफ लाईन प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं । अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे ।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

2. प्रकरण क्रमांक 9024/2022 - मेसर्स सीताराम स्टोन पार्टनर श्री धर्मेन्द्र दानत्री, बी-11, पुरुषोत्तम बिहार, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर (म.प्र.) स्टोन क्वेरी, खसरा नं. 1126, 1127, 1128/1, 1128/2, 1129, 1130 रकबा 4.640 हेक्टेयर, उत्पादन क्षमता स्टोन - 2,28,000 मी.³, ग्राम धरमन, तहसील गोहद जिला भिंड (म.प्र) के पर्यावरणीय स्वीकृति बावत् । EIA Consultant: Green Circle Vadodara (Guj.)

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा आन लाईन प्राप्त यह प्रकरण पत्थर उत्खनन का है और प्रस्तावित स्थल खसरा नं. 1126, 1127, 1128/1, 1128/2, 1129, 1130 रकबा 4.640 हेक्टेयर, ग्राम धरमन, तहसील गोहद जिला भिंड (म.प्र) पर स्थित है।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की बैठक क्रमांक 556वीं दिनांक 02/03/2022 में टॉर (TOR) की अनुशंसा की गई थी । राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ई.आई.ए. रिपोर्ट राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को ऑन लाईन प्रेषित की गई है।

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक ऑन-लाईन और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार श्री शिशुपाल वर्मा उपस्थित हुए । प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया गया कि खदान निजि स्वामित्व की है जिसमें 03 पेड़ लगे हैं जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि बैरियर जोन होने के कारण 02 पेड़ नहीं काटे नहीं जायेंगे तथा 01 बबूल का पेड़ काटा जावेगा एवं उसके एवज 10 अतिरिक्त पेड़ लगाये जायेंगे । प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र पश्चिम भाग से 100 मीटर की दूरी पर नहर तथा पूर्वी क्षेत्र से 120 मीटर की दूरी पर कच्चा रोड़ निकल रहा है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि इस खदान की जनसुनवाई के दौरान गांव के लोगो की रोड़ का रखरखाव, धूल से समस्या एवं वृक्षारोपण कार्य किये जाने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनको उनके द्वारा सी.ई.आर. में शामिल किया गया है । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि आवंटित क्षेत्र में 02 मीटर की स्वाइल है तथा इसकी कुछ मात्रा का उपयोग बैरियर जोन में वृक्षारोपण हेतु किया जायेगा तथा शेष मात्रा को कृषि कार्य/ अपने खेतों में उपयोग हेतु किसानों को दिया जायेगा ।

प्रकरण के गूगल इमेज के आवलोकन के दौरान समिति ने यह पाया कि ग्राम डरमन का यह क्षेत्र खनन के नये क्लास्टर के रूप में विकसित हो रहा है तथा शुरुआत से ही इस क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिये । वर्तमान गूगल इमेज के अनुसार 01.00 किलोमीटर के दायरे में 08-10 खदानें कार्यरत दिख रही हैं जो विगत एक वर्ष के अंतराल में कार्यरत हुई हैं। वर्तमान गूगल इमेज के अनुसार बहुत कम खदानों द्वारा ही किया गया वृक्षारोपण दिख रहा है जिस कारण आस-पास के इलाके पर आने वाले समय में बुरा प्रभाव पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः समिति के अनुशंसा है कि सिया के द्वारा एक परामर्शी /सलाह पत्र संबंधित प्राधिकारियों को लिखा जाये ताकि वे इस बात का संज्ञान ले कि क्या

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

इस क्षेत्र में कार्यरत खदानों द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में निहित शर्तों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं। इसी प्रकार संबंधित जिलाध्याक्ष / खनिज अधिकारी पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त खदानों के ई.एम.पी. (जैसे पानी का छिड़काव, वृक्षारोपण – बेरियर जोन तथा मिनरल इवेक्वेशन रोड के दोनों ओर, पक्का इवेक्वेशन रोड, ओ.बी. मैनेजमेंट यादि) तथा सी.ई.आर. में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण व सामाजिक विकास के कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करवाये ताकि इस क्षेत्र में आने वाले समय में प्रदूषण की स्थिति निर्मित न हो। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक को निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण एवं सी.ई.आर. योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई, जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 2,28,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 15.36 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 09.60 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 02.90 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
➤ ग्राम विलारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 2 बेड, 4 स्ट्रेचर और 4 व्हील चेयर का वितरण कराए जाएंगे।	₹ 80,000/-
➤ ग्राम डिरमन के आंगनबाड़ी में बर्तनों का वितरण एवं 1 वर्ष तक पोषण आहार प्रदान कराए जाएंगे।	₹ 1,00,000/-
➤ ग्राम विलारा के सरकारी स्कूल में सोलर पैनल की स्थापना किया जावेगा।	₹ 20,000/-
➤ ग्राम डिरमन में मुख स्वच्छता, मधुमेह एवं रक्तचाप, टीकाकरण आदि के लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन कराए जाएंगे।	₹ 20,000/-
➤ ग्राम डिरमन में पशुओं के स्वास्थ्य जांच के लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन कराए जाएंगे।	₹ 10,000/-
➤ “उज्ज्वला योजना” के तहत खदान में कार्यरत ग्रामीण मजदूरों को २० सोलर कुकर/एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे।	₹ 60,000/-
योग	~2,90,000/-

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 5600 वृक्षों का वृक्षारोपण तथा रख-रखाव दूसरे वर्ष से लीज अवधि तक किया जावेगा

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- जंगल जलेबी, नीम, बबूल, सिस्सू, पीपल, चिरोल, करंज, आदि।	1275
2	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तक	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, पीपल, पुत्रंजीवा, करंज, सप्तपर्णी, जंगल जलेबी, नीम, सिस्सू, कदम आदि।	420
3	ग्राम पंचायत चितौरा के परिसर में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:-नीम, पीपल, बरगद, पुत्रंजीवा, कटहल, करंज, आम, अमरुद, आदि।	255
4	ग्राम करवास में स्थित शासकीय माध्यमिक शाला के मैदान में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंजए कचनार, चिरोल सप्तपर्णी, पीपल, बरगद, पीपल, कदम, नीम, सुबबूल आदि।	200
5	दूसरे वर्ष में ग्राम विलारा के प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पुत्रंजीवा, मोलश्री, संतरा, आम, इमली, मुनगा, कटहल करंज, आवला आदि।	150
6	ग्राम डिरमन में उपलब्ध शासकीय भूमि पर	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कदम, बरगद, सुबबूल, चिरोल, पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंजए कचनार, चिरोल सप्तपर्णी, पीपल, नीम आदि।	800
7	ग्राम विलारा में स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय के परिसर में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंजए कचनार, चिरोल सप्तपर्णी, पीपल, बरगद, पीपल, कदम, नीम, सुबबूल आदि।	200
8	ग्राम चितौरा में स्थित शासकीय बालक छात्रावास परिसर में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- कदम, बरगद, सुबबूल, चिरोल, पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंजए कचनार, चिरोल सप्तपर्णी, पीपल, नीम आदि।	300
9	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, आमला, अनार, इमली, निम्बू, कटहल आदि।	2000
कुल			5600

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

3. Case No 9222/2022 Smt. Resham Bai W/o Shri Dulha Singh, Vadan Karra Kheda Pada, Dist. Guna, MP - 473105 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.368 ha. (57000 Cum per annum) (Khasra No. 3726), Village - Parsen, Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 3726), Village - Parsen, Tehsil - Murar, Dist. Gwalior (MP) 2.368 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 10415 दिनांक 22/03/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण दिशा में 600 मीटर पर जलीय निकाय स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खदान क्षेत्र के पूर्वी भाग से 225 मीटर की दूरी पर सड़क तथा 510 मीटर पर आबादी है। इसी प्रकार खदान के उत्तरी भाग से 410 मीटर की दूरी पर आबादी तथा दक्षिण पश्चिमी भाग से 520 मीटर पर मंदिर है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन हेतु कंट्रोल ब्लास्टिंग की जावेगी तथा खनिज परिवहन के दौरान लगातार सड़क पर जल छिड़काव किया जायेगा। समिति ने पाया कि प्रस्तुतीकरण के दौरान दिये गये लैंडयूज प्लान में टॉपोग्राफीकल एरर है उसके सुधारकर प्रस्तुत किय जाये। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ प्रस्तावित लैंडयूज प्लान।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. एवं वृक्षारोपण।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 57,000 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.29 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 06.29 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम परसेन के ऑगनवाड़ी केन्द्र में एक वर्ष तक पोषण आहार का वितरण किया जायेगा ।	40,000
ग्राम परसेन के ऑगनवाड़ी केन्द्र में 05 मेज-कुर्सियों का वितरण ।	20,000
ग्राम परसेन के ऑगनवाड़ी केन्द्र की मरम्मत व रंगाई-पुताई का कार्य किया जावेगा ।	10,000
योग	70,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3020 वृक्षों का वृक्षारोपण :

क्र.सं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	सिस्सू, जंगल जलेबी, नीम, खमैर, करंज, सीताफल, चिरौल, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1000
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊँचाई न्यूनतम 1 मीटर)	सिस्सू, नीम, सूबबूल, चिरौल, अमलतास, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	200
3	ग्राम परसेन के ग्रामबासियों में वितरण	आंवला, सीताफल मुनगा, जामुन, अमरुद, इमली इत्यादि ।	1800
4 ^ण	ग्राम परसेन के शासकीय विद्यालय परिसर में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, कचनार इत्यादि ।	20
कुल वृक्षारोपण			3020

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

4. Case No 9221/2022 Smt. Pushplata Tiwari, Lessee, R/o Mittal Enclave, Plot No. 160, Dist. Katni, MP - 483501, Prior Environment Clearance for Murrum Quarry in an area of 2.40 ha. (19818 Cum per annum) (Khasra No. 624 Part), Village - Banda, Tehsil - Mudwara, Dist. Katni (MP)

This is case of Murrum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 624 Part), Village - Banda, Tehsil - Mudwara, Dist. Katni (MP) 2.40 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1292 दिनांक 18/05/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण भाग से खदान के अंदर से होकर कच्चा रास्ता निकल रहे है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस रोड़ से 10 मीटर का सेट बैक प्रस्तावित किया गया है तथा 7.5 मीटर के बैरियर जोन को मिला कर यह दूरी लगभग 17.5 मीटर हो जाती है तथा इस क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण किया जाना प्रस्तावित है । प्रश्नाधीन खदान के उत्तरी क्षेत्र में एक घर दिखाई दे रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह कच्चा घर है जो खदान मालिक द्वारा स्वयं के उपयोग के लिये बनाया गया है । इस प्रकार दक्षिण पूर्व दिशा में 70 मीटर पर तालाब स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये है तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रकरण मुरुम का है, जिसमें ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा लीज में विद्यमान पेड़ों को काटा नहीं जायेगा तथा लीज के उत्तरी एवं पश्चिमी भाग में लगे पेड़ों को बचाने के लिए नॉन माईनिंग क्षेत्र 0.9175 हे. छोड़ा गया है । खदान के पश्चिमी भाग से निकल रही कच्चे रोड़ के संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह पगडंडी है जिसका उपयोग कभी कभार ग्रामीणों द्वारा किया जाता है तथा यह क्षेत्र छोड़े गये नॉन माईनिंग जोन में आता है । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ नॉन माईनिंग क्षेत्र दिखाते हुए पुनरीक्षित सरफेस मैप लैंड यूज के साथ ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना ।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

✓ परियोजना प्रस्तावक का शपथ-पत्र की खनन् क्षेत्र में विद्यमान मकान उनका है ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता मुरुम – 19,818 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 16.93 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 05.05 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.90 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम बांदा के ग्राम पंचायत भवन में एक कम्प्यूटर, प्रिंटर, टेबल के साथ	60,000
ग्राम बांदा के आगनवाडी में पोषण आहार का वितरण ।	30,000
योग	90,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3,000 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	नीम, पीपल, बरगद, ईमली, अमलतास, कचनार, सीताफल, करंज, चिरौंजी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	2,000 (बैरियर जोन-600 नो माइनिंग जोन-1400)
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	नीम, पीपल, कदम्ब, बरगद, ईमली, अमलतास, कचनार, करंज, चिरौंजी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	400
3	ग्राम बांदा के के ग्रामवासियों को वितरण हेतु	मुनगा, आंवला, आम, नीम, पीपल, ईमली, अमलतास, चिरौंजी तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	500
4.	ग्राम बांदा के शासकीय विद्यालय परिसर में	कदम्ब, नीम, पीपल, बरगद, अमलतास, कचनार, करंज, तथा अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	100
कुल वृक्षारोपण			3,000

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

5. Case No 9224/2022 Shri Dinesh Nagar S/o Shri Mathralal Nagar, Village - Barodi, Tehsil - Narsinghgarh, Dist. Rajgarh, MP - 465669, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.0 ha. (4998 Cum per annum) (Khasra No. 31/2/1/1, 31/2/1/2), Village - Barodi, Tehsil - Narsinghgarh, Dist. Rajgarh (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 31/2/1/1, 31/2/1/2), Village - Barodi, Tehsil - Narsinghgarh, Dist. Rajgarh (MP) 1.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 722 दिनांक 17/02/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन खदान को मिलाकर कुल रकबा 2.00 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण-पूर्व दिशा में 280 मीटर पर नदी तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में ही 170 मीटर पर पक्का रोड़ है। तहसीलदार द्वारा जारी प्रमाण पत्र के अनुसार आवेदित क्षेत्र पार्वती परियोजना डूब क्षेत्र से लगभग 100 मीटर की दूरी पर है। वन मण्डलाधिकारी के पत्र (1793 दिनांक 28/10/21) अनुसार आवेदित क्षेत्र वन्यप्राणी अभ्यारण्य, नरसिंहगढ़ के कक्ष क्रमांक पी-85 से 2.91 किलोमीटर की दूरी पर है तथा ईको सेंसेटिव जोन की परिधि से बाहर है एवं वन मंडल रामगढ़ के कक्ष क्रमांक पी.-2 से 10.01 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज में विद्यमान 01 पेड़ है जिसको काटा नहीं जायेगा। आवंटित खनन क्षेत्र के दक्षिण भाग में 160 मीटर पर आईसोलेटिड हटमेंट है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है तथा खनन कार्य रॉक ब्रेकर से किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने खदान के चारों गेमप्रूफ फेंसिंग (ऊँचाई 02.10 मीटर) लगाने के निर्देश दिए। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. योजना।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 4998 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 09.74 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.15 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम बरोड़ी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में दो गोदरेज अलमारी एवं फर्नीचर (दस लकड़ी की बेंच एवं पाँच कुर्सीयों)	40,000
ग्राम बरोड़ी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में 20 छायादार वृक्षों (कदम्ब, कचनार, करंज, बहुनिया एवं अन्य प्रजातियों) को ट्री गार्ड के साथ लगाना	10000
योग	50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	आंवला, सिस्सू, नीम, पीपल, करंज, बरगद खमेर, चिरोल, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	600
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	कदम्ब, नीम, पीपल, कचनार, चिरोल, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	200
3	ग्राम बरोड़ी के ग्रामबासियों को वितरण	इमली, सीताफल, आंवला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	200
4.	ग्राम बरोड़ी के शासकीय विद्यालय परिसर में	कदम्ब, नीम, पीपल, कचनार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	200
कुल वृक्षारोपण			1200

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

6. Case No 9231/2022 M/s Brijwasi Stone Crusher, Prtner Shri Anukar Nayak, 577/1, C/o Satish Nayak, Mukesh Nayak, Civil Ward No. 07, Dist. Damoh, MP - 470661 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.694 ha. (20000 Cum per annum) (Khasra No. 408, 409, 410, 411), Village - Mara (Viran), Tehsil - Buxwaha, Dist. Chhatarpur (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 408, 409, 410, 411), Village - Mara (Viran), Tehsil - Buxwaha, Dist. Chhatarpur (MP) 1.694 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1309 दिनांक 26/05/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन खदान को मिलाकर कुल रकबा 3.388 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पश्चिम दिशा में 50 मीटर पर एक छोटी जल रोकने की संरचना स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. एवं वृक्षारोपण योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 20,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 20.40 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.48 लाख प्रति वर्ष।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

3. सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम सुनवाहा के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में 1 कम्प्यूटर, प्रिन्टर, टेबल के साथ और 1 आलमारी, लाइब्रेरी के लिए।	60,000
ग्राम सुनवाहा के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में 20 छायादार वृक्षों (कदम्ब, कचनार, करंज, बहुनिया एवं अन्य प्रजातियाँ) को ट्री गार्ड के साथ लगाना	10000
योग	70,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	सिस्सू, जंगल जलेबी, नीम, पीपल, करंज, खमेर, कस्टार, चिरोल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	कदम्ब, कचनार, चिरोल, नीम, पीपल, आम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	200
3	ग्राम मरा (विरान) के ग्रामवासियों में वितरण ।	इमली, सीताफल, आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	500
4.	ग्राम ग्राम मरा (विरान) के ग्राम पंचायत भवन में	कदम्ब, नीम, पीपल, कचनार, कुम्भी, पुतरनजीवा, मौलश्री, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री गार्ड के साथ	700
कुल वृक्षारोपण			2400

7. Case No 9225/2022 Shri Ganesh Patidar Owner, 697, Village - Gavlipalasiya, Tehsil - Mahu, Dist. Indore, MP - 453441, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.028 ha. (10290 Cum per annum) (Khasra No. 1304/1, 1304/2), Village - Gavlipalasiya, Tehsil - Mahu, Dist. Indore (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1304/1, 1304/2), Village - Gavlipalasiya, Tehsil - Mahu, Dist. Indore (MP) 1.028 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा,

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खजिन शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 838 दिनांक 04/03/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन खदान को मिलाकर कुल रकबा 4.58 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पश्चिम दिशा में 200 मीटर तथा पूर्व दिशा में 400 मीटर पर रोड़ है। इसी प्रकार पश्चिम दिशा में 175 मीटर पर कुछ शेड है। प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि गूगल इमेज अनुसार खदान के 500 मीटर की परिधि में 03 खदानें दिख रही हैं जबकि एकल प्रमाण-पत्र में 500 मीटर की परिधि में सिर्फ 02 खदानें दिखाई गई हैं जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनिज अधिकारी ने पत्र क्रमांक 369 दिनांक 08/2/2022 के माध्यम से सूचित किया कि एक खदान निरस्त हो जिसकी अवधि 23/1/2017 से 22/1/2027 तक थी निरस्त की गई है। अतः 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदान स्वीकृत है तथा प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत ही आता है। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ खनिज अधिकारी के पत्र क्रमांक 369 दिनांक 08/2/2022 की फोटो प्रति।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित सीईआर योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 10,290 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.14 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.65 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
श्री राधाकृष्ण गौशाला महुँ में पेयजल व्यवस्था एवं छायादार वृक्षारोपण।	1,00,000
योग	1,00,000

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1250 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	नीम, सिस्सू, करंज, चिरोल, सीताफल, करंज एवं अन्य प्रजातियाँ।	1050
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	नीम, करंज, चिरोल, खमेर एवं अन्य प्रजातियाँ।	100
3	ग्राम महू के ग्रामवासियों में वितरण ।	इमली, सीताफल, आवंला, नीबू, बेल, आम, जामुन, कटहल, मुनगा, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	100
कुल वृक्षारोपण			1250

8. Case No 9226/2022 Shri Suraj Singh Baghel Lease Owner, Village – Pateri , Tehsil – Bahri, District - Sidhi, MP - 486771 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.65 ha. (39002 Cum per annum) (Khasra No. 1050(P)), Village - Dadhiya, Tehsil - Bahri, Dist. Sidhi (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 1050(P)), Village - Dadhiya, Tehsil - Bahri, Dist. Sidhi (MP) 2.65 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

प्रकरण आज दिनांक 23/06/22 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था किंतु परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार ऑन लाईन/ऑफ लाईन प्रस्तुतीकरण हेतु समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु अंतिम अवसर देते हुए प्रकरण आगामी बैठक में रखा जाये तथा यदि फिर भी परियोजना प्रस्तावक अनुपस्थित रहते हैं तो इस प्रकरण निरस्त (डिलिस्ट) करते एसईआईए को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेजा जावे।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

9. Case No 9227/2022 Shri Rahul Tamboliya Owner, 167 Shyam Nagar, Near Baba Dham Mandir, Bhilwara (Rj.) - 311001, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (10000 Cum per annum, M-sand - 5000 Cum per annum) (Khasra No. 201), Village - Jhirmira, Tehsil - Khacharod, Dist. Ujjain (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 201), Village - Jhirmira, Tehsil - Khacharod, Dist. Ujjain (MP) 2.00 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 783 दिनांक 31/05/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन खदान को मिलाकर कुल रकबा 3.73 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के उत्तर-पश्चिम दिशा में 130 मीटर पर जलीय निकाय स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा तथा जलीय निकाय की ओर एम-सैंड प्लांट प्रस्तावित है जिस कारण खनन क्षेत्र से जल निकाय की दूरी लगभग 150 मीटर हो जायेगी। इसी प्रकार खदान के दक्षिण दिशा में 170 मीटर पर रोड़, उत्तर दिशा में 40 मीटर पर कच्चा रोड़ तथा पूर्व दिशा में 300 मीटर पर शेड्स हैं। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज में विद्यमान 13 पेड़ हैं जिसमें से 09 कटेगे एवं उसके एवज में 90 अतिरिक्त पेड़ लगायेगे। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह बताया गया कि बीएसके तकनीकी का एम-सैंट प्लांट प्रस्तावित है जिसमें दूषित जल को सेटलिंग के पश्चात् पुर्नउपयोग किया जायेगा तथा बची हुई स्जल को खनन क्षेत्र में अपवहित किया जायेगा। पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ एम-सैंड प्लांट के ले-आउट को सरफेस मैप पर दिखाया जाये तथा एम-सैंड प्लांट में प्रस्तावित तकनीक एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत करें।
- ✓ एम-सैंड प्लांट से उत्पन्न होने वाले दूषित जल के शोधन की व्यवस्था तथा उत्पन्न होने वाले सिल्ट के अपवहन का विवरण प्रस्तुत करें।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी., वृक्षारोपण एवं सीईआर योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 10,000 मी³ प्रति वर्ष तथा एम-सैंड-5000 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 09.03 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.04 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खचरोद में पदस्थ चिकित्सक के परामर्श से उपयोग हेतु जरूरी उपकरण एवं सामग्री स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध करवाई जावेगी	30,000/-
योग	30,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2500 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन के अंतर्गत	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- बरगद, चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू , पीपल, करंज आदि ।	900
2	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू आदि ।	200
3	खदान क्षेत्र के पश्चिम भाग में प्रस्तावित एम सैंड प्लांट के चारों ओर	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- बरगद, चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू , पीपल, करंज आदि ।	100

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

4.	ग्राम झिरमिरा के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, नीम, सीताफल,, सिस्सू , पीपल, कदम, करंज आदि।	50
5.	ग्राम झिरमिरा के शासकीय माध्यमिक शाला परिसर में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, मोलश्री, पुत्रंजीवा, करंज, नीम, पीपल, सप्तपर्णी, कदम कचनार आदि।	100
6.	ग्राम घिनोदा में स्थित क्रिकेट स्टेडियम में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पुत्रंजीवा, मोलश्री, करंज, सप्तपर्णी, नीम, पीपल, करंज आदि।	200
7.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- इमली, आमला, सीताफल, आम, अमरुद, अनार, कटहल , निम्बू, जामुन आदि।	950
		कुल वृक्षारोपण	2500

10. Case No 9228/2022 Shri Mukesh Owner Ghinoda Stone & M-Sand Quarry, 114, Mahatma Gandhi Marg, Khacharod, Dist. Ujjain, MP - 456224, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.750 ha. (Stone 10000 Cum per annum, M-sand - 10000 Cum per annum) (Khasra No. 2176/2440/2), Village - Ghinoda, Tehsil - Khacharod, Dist. Ujjain (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2176/2440/2), Village - Ghinoda, Tehsil - Khacharod, Dist. Ujjain (MP) 1.750 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 785 दिनांक 31/05/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन खदान को मिलाकर कुल रकबा 2.75 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पूर्व दिशा में 170 मीटर पर जलीय निकाय स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा। इसी प्रकार खदान के पश्चिम दिशा में 230 मीटर पर रोड़ तथा दक्षिण दिशा में 15 मीटर पर कच्चा रोड़ है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि लीज में विद्यमान 07 पेड़ हैं जिसमें से कोई भी नहीं काटा जायेगा तथा यह क्षेत्र नॉन माईनिंग के रूप में छोड़ा जाना प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह बताया गया कि बीएसके तकनीकी का एम-सेंट प्लांट प्रस्तावित है जिसमें दूषित जल को सेटलिंग के पश्चात् पुर्नउपयोग किया जायेगा तथा बची हुई स्जल को खनन् क्षेत्र में अपवहित किया जायेगा। पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ एम-सेंट प्लांट के ले-आउट को सरफेस मैप पर दिखाया जाये तथा एम-सेंट प्लांट में प्रस्तावित तकनीक एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत करें।
- ✓ एम-सेंट प्लांट से उत्पन्न होने वाले दूषित जल के शोधन की व्यवस्था तथा उत्पन्न होने वाले सिल्ट के अपवहन का विवरण प्रस्तुत करें।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी., वृक्षारोपण एवं सीईआर योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता स्टोन – 10,000 एवं एम. सेंड – 10,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 09.17 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 03.04 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु.0.40 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घिनोदा में एक स्ट्रेचर एवं एक व्हील चेयर	20,000/-
घिनोदा के आंगनवाडी केंद्र में खाना परोसने के वर्तत, बैठने की दरी एवं ब्लेक बोर्ड	20,000/-
योग	40,000/-

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2100 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन के अंतर्गत	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू , पीपल, करंज, खमेर आदि।	800
2.	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तक	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, बरगद, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू आदि।	150
3.	खदान में प्रस्तावित गैर खनन क्षेत्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू , पीपल, करंज, खमेर आदि।	750
4.	ग्राम घिनोदा के नजदीक स्थित प्राथमिक उपचार केंद्र में	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- नीम, सीताफल, सिस्सू , कदम, पीपल, करंज आदि।	50
5.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, आमला, अनार, इमली, निम्बू, कटहल आदि।	350
		कुल वृक्षारोपण	2100

11. Case No 9230/2022 Shri Mohit Maheshwari, Owner Narayan Baag Ke Pass, Chawani Agar, Dist. Agar Malwa, MP - 465441, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (16000 Cum per annum) (Khasra No. 478 Part), Village - Jamali, Tehsil - Barod, Dist. Agar Malwa (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 478 Part), Village - Jamali, Tehsil - Barod, Dist. Agar Malwa (MP) 4.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 886 दिनांक 09/08/21 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पूर्व दिशा में 60 मीटर पर रोड़ है। प्रश्नाधीन खदान के पूर्व दिशा में 250 मीटर पर जलीय निकाय स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया गया कि खनन क्षेत्र का दक्षिण भाग खुदा हुआ है तथा लीज के पास एक क्रेशर भी लगा हुआ है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि हमको खदान जुलाई 2021 में स्वीकृत हुई है तथा पिट हमने अनुमोदित खनन योजना तथा सरफेस मेंप पर दिखाया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि पूर्व में इसी क्षेत्र पर श्री जयप्रकाश गिलडा को 2.0 हे. की खदान 9/7/2009 से 8/7/2019 तक स्वीकृत हुई थी जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी है जिस हेतु कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला आगर-मालवा के पत्र क्रमांक 900 दिनांक 19/8/21 के द्वारा सूचित किया गया है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खनन हेतु रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित वृक्षारोपण योजना।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 16,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 12.12 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 01.20 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख :-

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम जामली स्थित गौशाला हेतु 1 वर्ष तक "पशुआहार" का वितरण।	70,000/-
योग	70,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	चिरोल, नीम, जंगलजलेबी, सीताफल, खमेर एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	500
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊँचाई न्यूनतम 1 मीटर)	करंज, कदम, चिरोल, जंगलजलेबी, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2000
3	जामली ग्रामवासियों में वितरण हेतु	सीताफल, इमली, आवलाँ, अमरुद, मुनगा, पपीता, निम्बू, आम, संतरा एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2200
4.	ग्राम जामली स्थित गौशाला में वृक्षारोपण	संतरा, सीताफल, इमली, आवलाँ, अमरुद, पपीता, निम्बू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	100
कुल वृक्षारोपण			4800

12. Case No 9243/2022 Shri Jitendra Soni, Lease Owner, R/o Village - Ojhar, Tehsil - Rajpur, Dist. Badwani, MP - 451447, Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.0 ha. (10640 Cum per annum) (Khasra No. 516/1), Village - Danod, Tehsil - Rajpur, Dist. Badwani (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 516/1), Village - Danod, Tehsil - Rajpur, Dist. Badwani (MP) 2.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खजिन शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 882 दिनांक 04/02/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में पूर्व में आवेदनकर्ता के नाम से ही सर्वे नं. 516/1 के रकबा 2.00 हे. क्षेत्र स्वीकृत थी जिसे कार्यालयीन पत्र क्रमांक 908-09 दिनांक 31/08/31 से निरस्त किया गया है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पश्चिम दिशा में 100 मीटर पर मौसमी प्राकृतिक नाला स्थित है। इसी प्रकार खदान के दक्षिण भाग में 160 मीटर पर एक नहर है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्राकृतिक नाला के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा। आवंटित खनन क्षेत्र के पूर्वी दिशा की ओर कुछ मकान 130 मीटर की दूरी पर हैं अतः 70 मीटर का सेट बेक छोड़ा जाये। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ आवंटित खनन क्षेत्र के पूर्वी दिशा की ओर कुछ मकान 130 मीटर की दूरी पर हैं अतः 70 मीटर का सेट बेक छोड़ते हुए पुनरीक्षित सरफेस मैप।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी. एवं वृक्षारोपण।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 10,640 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 12.37 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.89 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम दानोद के ऑगनवाड़ी केन्द्र में खाना बनाने के लिए खाना परोसने के लिए और बच्चों के खाना खाने के बर्तन, बच्चों के खेलने के लकड़ी के खिलौने तथा बची हुई राशि से एक वर्ष तक पोषण आहार का वितरण किया जायेगा।	70,000
योग	70,000

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	सिस्सू, नीम, खमैर, करंज, सीताफल, करंज, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	1000
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	सिस्सू, नीम, सूबबूल, चिरौल, नीलगिरी, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ।	200
3	दानोद ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, सीताफल मुनगा, जामुन, अमरुद, आम इत्यादि ।	1180
4	शासकीय विद्यालय दानोद में	कदंब, अमलतास, अशोक, नीम, कचनार इत्यादि ।।	20
कुल वृक्षारोपण			2400

13. Case No 9244/2022 Shri Yogendra Pratap Singh, Lease Owner Jakira house, Ghurdang Raghurajnagar, Dist. Satna, MP - 485666 Prior Environment Clearance for Murrum Quarry in an area of 1.804 ha. (11000 Cum per annum) (Khasra No. 49/1/kha/1/1, 49/1/kha/1/2, 49/1/kha/2), Village - Bela, Tehsil - Raghurajnagar, Dist. Satna (MP)

This is case of Murrum Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 49/1/kha/1/1, 49/1/kha/1/2, 49/1/kha/2), Village - Bela, Tehsil - Raghurajnagar, Dist. Satna (MP) 1.804 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए । परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, पत्र क्रमांक 2504 दिनांक 16/09/21 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

में अन्य कोई खदान स्वीकृत/संचालित नहीं है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है। पूर्व में यह प्रकरण क्रमांक 9033/2022 के नाम से प्राप्त हुआ था जिसमें सेक की मीटिंग क्रमांक 558 दिनांक 4/3/2022 में निम्नानुसार अनुशास की गई थी :

“परियोजना प्रस्तावक द्वारा आन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के दक्षिण पश्चिम एवं दक्षिण पूर्व दिशा में क्रमाशः 34, 40 एवं 120 मीटर की दूरी पर रहवासी क्षेत्र दिख रहा है एवं उत्तर में 263 मीटर पर पक्का रोड़ दिखाई दे रहा है, 158 मीटर दक्षिण दिशा में शेड दिखाई दे रहा है । गूगल इमेज के अनुसार प्रस्तावित खनन क्षेत्र में 02 सतही नाले हैं तथा इस क्षेत्र में उत्खनन करने से प्राकृतिक नालों को क्षति पहुँचेगी । अतः समिति ने चर्चा उपरांत इस प्रकरण को पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुशासित न किये जाने का निर्णय लिया तथा प्रकरण को आगामी कार्यवाही हेतु एसईआईए को प्रेषित किये जाने बावत् अनुशास की है” ।

सेक की उपरोक्त अनुशास के आधार पर सिया ने अपनी बैठक क्रमांक 713 दिनांक 23/3/22 में इस केस को रिजेक्ट किया ।

परियोजना प्रस्तावक ने पुनः उसी क्षेत्र पर नवीन आवेदन कर प्रकरण प्रस्तुत किया । प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक से पूछे जाने पर उन्होंने ने बताया कि गूगल इमेज के अनुसार प्रस्तावित खनन क्षेत्र में जो नाले जैसे दिख रहे हैं वे खुले में ओपन सीवर के बहने के कारण हैं । इन ओपन सीवर को ड्रेन के माध्यम से चेनलाईज कर सेप्टिक व सोकपिट में उपचारित किया जायेगा । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि खदान क्षेत्र के दक्षिण भाग में आबादी होने के कारण वहाँ से 100 मीटर का सेट बैक (प्रकरण मरुम का होने के कारण ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं) प्रस्तावित किया गया है । इसी नॉन माईनिंग एरिया में कर सेप्टिक व सोकपिट का निर्माण कर ओपन सीवर को ड्रेन के माध्यम से चेनलाईज उपचारित किया जायेगा तथा बाकी बचे नॉन माईनिंग एरिया में हाईडेनसिटी प्लांटेशन अधिक जल सोखने वाले प्रजातियों के वृक्ष (जैसे पोपलर, सेमल, यूकैलिप्टस, जामुन, करंज, मलबरी, सिस्सु इत्यादि) लगाये जायेगे । परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि नॉन माईनिंग एरिया छोड़ने के बाद जो एरिया बचेगा उसमें जो लक्षित उत्पादन है उसे प्राप्त किया जा सकता है । प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :—

- ✓ गूगल इमेज के अनुसार प्रस्तावित खनन क्षेत्र में ओपन सीवर के बहने के कारण दिख रहे ड्रेन का मैनेजमेंट प्लान ।
- ✓ नॉन माईनिंग क्षेत्र दिखाते हुए पुनरीक्षित सरफेस मैप ।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी., वृक्षारोपण एवं सीईआर योजना ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई । परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता मरुम - 11,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 11.20 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 04.81 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम बेला में खदान के पास स्थित आबासी क्षेत्र में एक कॉमन टायलेट।	60,000
योग	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2200. वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	पोपलर, सेमल, यूकेलिप्टस, जामुन, करंज, मलबरी, सिस्सू, नीम, पीपल, हरसिंगार, खमैर, चिरोल, सीताफल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	1000
2	परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	सिस्सू, नीम, अमलतास, नीलगिरी, इमली एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	220
5.	ग्राम बेला के ग्रामीणों में वितरण	बेल, इमली, ऑवला, मुनगा, सीताफल, अमरुद एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	980
कुल वृक्षारोपण			2200

14. Case No 9245/2022 Shri Dashrath Bamoriya, Owner 64, Housing Board, Khacharod, Dist. Ujjain, MP - 456224, Prior Environment Clearance for Stone & M-Sand Quarry in an area of 1.0 ha. (Stone - 5000 Cum per annum, M-sand - 5000 Cum per annum) (Khasra No. 2176/2440/2), Village - Ghinoda, Tehsil - Khacharod, Dist. Ujjain (MP)

This is case of Stone & M-Sand Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 2176/2440/2), Village - Ghinoda,

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

Tehsil - Khacharod, Dist. Ujjain (MP) 1.0 ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

आज दिनांक 23/06/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज जैसे : लीज स्वीकृति पत्र, ग्राम सभा, वन मण्डलाधिकारी की एनओसी, तहसीलदार सर्टिफिकेट, खनिज अधिकारी की 500 मीटर में संचालित खदानों की जानकारी, अनुमोदित खनन योजना, खसरा पंचशाला, फार्म-2, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट, पी.एफ.आर. एवं ई.एम.पी. प्रस्तुत की गई। प्रकरण में परीक्षण में पाया गया कि कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 784 दिनांक 31/05/22 अनुसार प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान स्वीकृत/संचालित होने की जानकारी दी गई है, इस प्रकार प्रश्नाधीन खदान को मिलाकर कुल रकबा 2.750 हेक्टेयर होता है, अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन अपलोड माइन प्लॉन के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार प्रश्नाधीन खदान के पूर्व दिशा में 445 मीटर पर मौसमी जलीय निकाय स्थित है। परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि जलीय निकाय के कारण गारलेन ड्रेन एवं सेटलिंग टैंक प्रस्तावित किये गये हैं तथा सेटलिंग के पश्चात् ही जल का निस्तारण किया जावेगा। इसी प्रकार खनन क्षेत्र के पश्चिम भाग में 70 मीटर पर एक पक्का रोड़ है। लीज में विद्यमान 07 पेड़ हैं जिसमें से 01 पेड़ (जो खदान के बीच में हैं) को काटा जायेगा तथा उसके बदले में 10 अतिरिक्त पेड़ लगाये जायेगे। अन्य पेड़ों के लिये लीज के दक्षिणी-पूर्वी भाग में नॉन माईनिंग क्षेत्र छोड़ा गया है। खदान के पश्चिमी भाग में 130 मीटर की दूरी पर निर्माणाधीन स्कूल या भवन दिख रहा है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह निर्माणाधीन गौशाला है, खनन रॉक ब्रेकर से किया जाना प्रस्तावित किया जाता है तथा 30 मीटर का अतिरिक्त सेट बेक प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान पाया कि आवंटित खनन क्षेत्र में गूगल इमेज अनुसार अप्रैल 2021 की स्थिति में खनन कार्य किया गया है। जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि उनको लीज इसी स्थिति में अप्रैल 2022 में आवंटित हुई है तथा उनके द्वारा पिट (489 मीटर X 1 मीटर) अनुमोदित खनन योजना के सरफेस में दर्शाया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह बताया गया कि बीएसके तकनीकी का एम-सेंट प्लांट प्रस्तावित है जिसमें दूषित जल को सेटलिंग के पश्चात् पुर्नउपयोग किया जायेगा तथा बची हुई स्जल को खनन क्षेत्र में अपवहित किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण के पश्चात् परियोजना प्रस्तावक से निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए :-

- ✓ लीज में विद्यमान पेड़ों के क्षेत्र को नॉन माईनिंग जोन दिखाते हुए पुनरीक्षित सरफेस मेप।
- ✓ एम-सेंट प्लांट के ले-आउट को सरफेस मेप पर दिखाया जाये तथा एम-सेंट प्लांट में प्रस्तावित तकनीक एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत करें।
- ✓ एम-सेंट प्लांट से उत्पन्न होने वाले दूषित जल के शोधन की व्यवस्था तथा उत्पन्न होने वाले सिल्ट के अपवहन का विवरण प्रस्तुत करें।
- ✓ समिति द्वारा सुझाये अनुसार पुनरीक्षित ई.एम.पी., वृक्षारोपण एवं सीईआर योजना।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 23/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 5,000 एवं एम. सेंड – 5,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 06.96 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 03.04 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खचरोद में पदस्थ चिकित्सक के परामर्श से उपयोग हेतु जरूरी उपकरण एवं सामग्री स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध करवाई जावेगी	20,000/-
योग	20,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1210 वृक्षों का वृक्षारोपण :

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन के अंतर्गत	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, करंज, खमेर आदि।	700
2.	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तक (पेड़ों की ऊंचाई न्यूनतम 1 मीटर)	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, बरगद, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू आदि।	80
3.	खदान में प्रस्तावित गैर	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, करंज, खमेर	330

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

	खनन क्षेत्र में	आदि।	
4.	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- आम, जामुन, अमरुद, सीताफल, आमला, अनार, इमली, निम्बू, कटहल आदि।	100
		कुल वृक्षारोपण	1210

15. Case No 9009/2022 Smt. Ashiva Begam, Village - Mehandwani, Tehsil - Shahpura, Dist. Dindori, MP - 481990 Amendment in Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 1.0 ha. (3800 Cum per annum) (Khasra No. 626/1), Village - Mehandwani, Tehsil - Shahpura, Dist. Dindori (MP)

This is case of Stone Quarry. The application was forwarded by SEIAA to SEAC for appraisal. The proposed site (Khasra No. 626/1), Village - Mehandwani, Tehsil - Shahpura, Dist. Dindori (MP) 1.0 Ha. The project requires prior EC before commencement of any activity at site.

पूर्व में यह प्रकरण सेक की 558वी बैठक दिनांक 4/3/2022 में प्रस्तुत हुआ था जिसमें निम्न अनुशंसा की गई थी:-

“आज दिनांक 04/03/22 को परियोजना प्रस्तावक और उनकी ओर पर्यावरण सलाहकार उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह पाया कि प्रकरण पर्यावरणीय स्वीकृति संशोधन का है, क्योंकि पूर्व रकबा 1.00 हे. था जो अब 0.56 हे. हो गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि इस प्रकरण डिया डिंडोरी द्वारा पत्र क्रमांक 203 दिनांक 24/8/16 के माध्यम पर्यावरणीय अभिस्वीकृति जारी की गई है किंतु परियोजना प्रस्तावक प्रस्तुतीकरण के दौरान डिया द्वारा जारी पर्यावरणीय अभिस्वीकृति में निहित शर्तों का पालन प्रतिवेदन नहीं प्रस्तुत कर सके एवं गूगल के देखने पर भी वृक्षारोपण इत्यादि की कोई स्थिति नहीं पाई गई। डिया द्वारा जारी पर्यावरणीय अभिस्वीकृति में परियोजना प्रस्तावक को 1500 वृक्ष लगाने की शर्त निहित की गई थी किंतु उनके द्वारा यह शर्त पूर्ण नहीं की गई है। समिति ने विचार-विमर्श कर यह अनुशंसा की कि परियोजना प्रस्तावक एक माह के अंदर आवेदित क्षेत्र में 1500 पौधों का वृक्षारोपण कर, फोटोग्राफ सहित प्रतिवेदन 30 दिनों के अंदर सिया के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे तथा संबंधित नस्ती निर्णय सिया की ओर अग्रेषित की जाये”।

सिया की 726वी बैठक दिनांक 25/5/2022 के कार्यवाही विवरण में यह उल्लेखित है कि परियोजना प्रस्ताव द्वारा ई-मेल दिनांक 16/5/2022 के माध्यम से 1500 पौधों का वृक्षारोपण कर, आक्षांश देशांश सहित फोटोग्राफस सिया कार्यालय में प्रस्तुत कर प्रकरण को रि-लिस्ट किये जाने का अनुरोध किया गया है।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाद्यात निर्धारण प्राधिकरण (सिया) द्वारा पर्यावरणीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी को मान्य करते हुए सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रकरण को रि-लिस्ट किया जाये एवं परीक्षण हेतु सेक को प्रेषित किया जाये। परियोजना प्रस्तावक व संबंधितों को सूचित किया जाये।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि पूर्व में डिया द्वारा जारी पर्यावरणीय अभिस्वीकृति में परियोजना प्रस्तावक को 1500 वृक्ष लगाने की शर्त निहित की गई थी किंतु उनके द्वारा यह शर्त पूर्ण नहीं की गई थी। वर्तमान में उनके द्वारा 1500 पौधों का वृक्षारोपण किया जा चुका है जिसके बिल भी वह प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि जो फोटोग्राफ लगाये गये हैं उसमें पन्नी समेत वृक्ष लगे दिख रहे हैं जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि यह फोटोग्राफ जून माह के हैं अतः गड्डे खुदवाकर पन्नी समेत वृक्ष उसमें रख दिये गये थे ताकि अत्याधिक गर्मी के कारा मरें नहीं। वर्तमान में सभी वृक्ष लगा दिये गये हैं। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को कहा कि आज की स्थिति के फोटोग्राफ प्रस्तुत करें तथा जहां तक संभव हो वृक्षारोपण हेतु सेंपलिंग्स शासकीय रोपणी से खरीदे जाये। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान चाही गई जानकारी दिनांक 24/06/22 द्वारा दी गई, जिसे समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो संतोषजनक पाई गई। परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 3800 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 01.95 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 01.79 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.10 लाख :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधि	राशि रु. में
ग्राम मेहंदवानी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 2 व्हील चेयर उपलब्ध कराई जाएगी।	10,000/-
योग	10,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 700 वृक्षों का वृक्षारोपण :

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 23 जून 2022

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन के अंतर्गत	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- चिरोल, नीम, सीताफल, जंगल जलेबी, सिस्सू, पीपल, बरगद करंज आदि।	500
2.	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग तक	स्थानीय पौधों की प्रजातियां जैसे:- पीपल, करंज, सप्तपर्णी, चिरोल, बरगद, जंगल जलेबी, पुत्रंजीवा, नीम, सिस्सू आदि।	200
		कुल वृक्षारोपण	700

(ए.ए. मिश्रा)
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 23 जून 2022

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

37. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

नोट 1 :- स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

नोट 2 :- विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

नोट 3 :- पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

नोट 4 :- पौधों की ऊँचाई/गोलाई –

नोट 5 :- भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

नोट 6 :- रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 23 जून 2022

side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.

8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - f. Lease owner's Name, Contact details etc.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

- g. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - h. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - i. Minable Potential of sand mine.
 - j. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - k. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. The mining activity shall be monitored by the Taluk level Force once in a month by conducting physical verification.
 - vii. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - viii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - ix. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
 31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
 34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
 35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
 36. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
 38. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

नोट 1 :- स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई –
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम्	गोलाई न्यूनतम्
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक ।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई ।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण ।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है ।

Annexure- 'C'

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 23 जून 2022

- a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
 15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
 16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
 17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
 18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
 19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
 20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
 21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
 22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
 23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
 24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
 25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
 26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - I. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - m. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - n. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - o. Minalable Potential of sand mine.
 - p. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - q. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
 27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 28. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Anganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activates proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

नोट 1 :- स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।

नोट 2 :- विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।

नोट 3 :- पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।

नोट 4 :- पौधों की ऊँचाई/गोलाई -

नोट 5 :- भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

नोट 6 :- रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माइनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधों के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 23 जून 2022

24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M. of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCC's Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas shall be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
 - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
 - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
 - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
34. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
 - ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.

580वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 23 जून 2022

- ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area and handed over to Gram Panchayat after lease period.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश।

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए।
- नोट 4 :-** पौधों की ऊँचाई/गोलाई -
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 फिट	03 से. मी.
2.	रोड़ साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 फिट	05 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) बनाना तीन वर्षों तक।		
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई।		

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख -

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई पश्चात् वर्ष पूर्ण बीज रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् ही रोपण।
- बीज रोपण पश्चात् अंकुरण एवं 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA, following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

36. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
37. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
38. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
39. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained